अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में रोकथाम, जागरूकता, शीघ्र निदान और रोगियों के लिये गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करने के माध्यम से थैलेसीमिया से लड़ने हेतु हितधारकों को एकजुट करने के लिये **8 मई को अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस मनाया गया।**

- अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस 2024 की थीम, **"जीवन को सशक्त बनाना, प्रगति को गले लगाना: सभी के लिये न्यायसंगत और सुलभ थैलेसीमिया उपचार, (Empowering Lives, Embracing Progress: Equitable and Accessible Thalassaemia Treatment for All)"** का फोकस उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल तक सार्वभौमिक पहुँच प्रदान करना है।
- अंतर्राष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के दौरान रोग की व्यापकता को कम करने के साधन के रूप में **प्रजनन और बाल स्वास्थ्य (Reproductive and Child Health- RCH)** कार्यक्रम में **अनिवार्य थैलेसीमिया परीक्षण** के **एकीकरण** की आवश्यकता को बढ़ावा दिया गया।
    - **RCH कार्यक्रम** **मातृ एवं शिशु मृत्यु दर** **तथा** **कुल प्रजनन दर** में **कमी के लिये** RCH लक्ष्य प्रदान करने हेतु **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (National Health Mission- NHM)** के सहयोग से वर्ष 2005 में शुरू किया गया एक **व्यापक फ्लैगशिप कार्यक्रम** है।
- इस कार्यक्रम में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि भारत में लगभग **1 लाख** **थैलेसीमिया के रोगी** हैं और प्रत्येक वर्ष **लगभग 10,000 नए मामले सामने आते हैं**। सामान्य जनसंख्या के मध्य थैलेसीमिया के विषय में व्यापक जागरूकता बढ़ाना ज़रूरी है।

परिवार के सुख के लिये
थैलेसीमिया
से बचाव

थैलेसीमिया क्या है?

* थैलेसीमिया मेजर एक गंभीर वंशानुगत बीमारी है।
* थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों में जन्म से ही रक्त नहीं बनता है तथा इन्हें जीवित रहने के लिये प्रतिमाह रक्त चढ़वाना पड़ता है।
* इस बीमारी का उपचार बहुत खर्चीला एवं कठिन है।

थैलेसीमिया होने के कारण

* भारतवर्ष में 3% व्यक्ति थैलेसीमिया के संवाहक हैं।
* संवाहक स्वयं तो रोगी नही होते किन्तु उनके बच्चे में थैलेसीमिया से पीड़ित हो सकते हैं।
* यदि माता पिता दोनों ही थैलेसीमिया संवाहक हों तो थैलेसीमिया मेजर से ग्रस्त शिशु के जन्म होने की संभावना 25% होती है।

थैलेसीमिया से बचाव के लिए

* गर्भधारण के पूर्व रक्त परीक्षण से यह सुनिश्चित करें कि आप थैलेसीमिया संवाहक हैं अथवा नही।
* यदि माता-पिता दोनों ही संवाहक हो तो गर्भस्थ शिशु की 10-12 सप्ताह में जाँच करके थैलेसीमिया से पीड़ित शिशु का जन्म रोका जा सकता है।
* विशेषज्ञों द्वारा यह जाँच सुविधा व सलाह अब देश के कई स्थानों पर उपलब्ध है।

करवायें थैलेसीमिया की जाँच, पायें उचित सलाह ।
भावी समाज को दिखलायें थैलेसीमिया से मुक्ति की राह ।।

और पढ़ें: सकिल सेल रोग और थैलेसीमिया के लिये कैसगेवी थेरेपी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-thalassemia-day